पानी के सांप भी तालाब की मछली को खाते रहते हैं। यदि इनकी संख्या अधिक हो तो ये काफी हानि पहुंचाते हैं। इनका सबसे बढ़िया बचाव का ढंग सांपों को मारना ही है। जब सांप ने मछली पकड़ ली होती है तो उसको निगलने हेतु यह पानी से बाहर आता है। इसी अवस्था में इसको आसानी से मारा जा सकता है। इसके अतिरिक्त यदि कहीं से फटे पुराने जाल मिल जाएं तो तालाब के गिर्द उनको फैलाने से भी सांप उनमें फंस जाते हैं। इनके नियंत्रण हेतु एक अन्य विधि यह है कि जंगली मछलियों को पकड़ कर उन्हें कुंडी में फंसाकर तालाब में डोरी द्वारा बांध कर लटका दिया जाता है। पानी के सांप को मछली का चारा बेहद पसंद होता है इसलिए वे कुंडी द्वारा फंस जाते हैं।

मेंढक के बच्चों (Tadpole) को निकालने के लिए एक फ्रेम पर लगे हुए जाल का प्रयोग किया जा सकता है । जब टेडपोल अधिक यंख्या में इस जाल में फंस जाते हैं तो इसे ऊपर की ओर निकाल लिया जाता है। मछली का बीज जाली से निकल जाता है परन्तु टेडपोल नहीं। इस जाल में फीड भी डाली जा सकती है। यह पकड़े गए टेडपोल व अंडे बड़ी मछलियों को खिलाए जा सकते हैं।

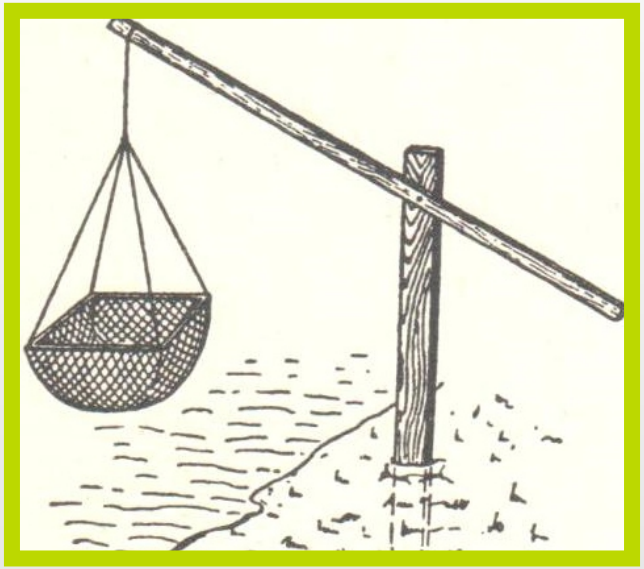

मेंढक के टेडपोल पकड़ने के लिए जाल

सम्पर्क सूत्रः मत्स्य भवन
मात्स्यिकी निदेशालय, हिमाचल प्रदेश,
चंगर सैक्टर– बिलासपुर– 174 001
फोन/फैक्सः 01978–224068
ई मेल: fisheries-hp@nic.in
वैबसाईट: hpfisheries.nic.in

रा0 मु0 हि0 प्र0, शिमला–1827–मत्स्य–2015–23–07–2015––500 प्रतियां।

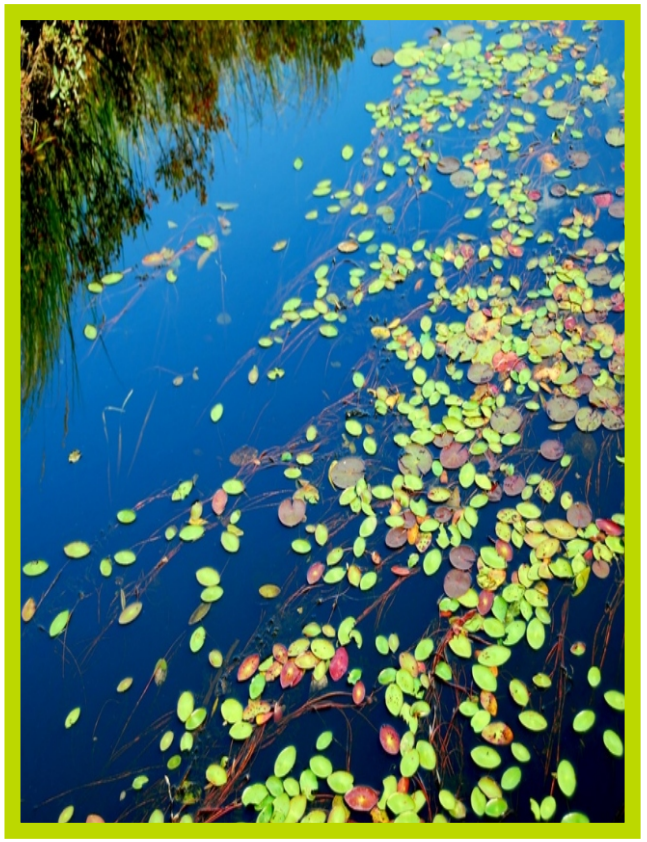

संग्रहण पूर्व तालाब की तैयारी

भाग—क
तालाबों से जलीय पौधों व कीड़ों का उन्मूलन

मात्स्यिकी निदेशालय
हिमाचल प्रदेश, बिलासपुर।

जलीय पौधों का उन्मूलन

अधिक मछली उत्पादन के लिए जलीय पौधों का उन्मूलन आवश्यक है। यह नये तालाब में उपलब्ध पोषक तत्वों का शोषण तो करते ही हैं साथ ही साथ जाल चलाकर मछली निकालने में कठिनाई भी करते हैं। कारणवश तालाब से पूरा उत्पादन नहीं हो पाता है।

जलीय पौधों के उन्मूलन के लिए निम्न तरीके अपनाए जा सकते हैंः–

- हाथ से सफाईः तालाब का पानी यदि कम कर सकते हैं तो श्रम कम करना पड़ेगा, हाथ से इन जल मग्न पौधों को जड़ समेत उखाड़कर निकाल देना चाहिए, यदि दोबारा उग आते हैं तो इस प्रक्रिया को दोहराया जाना आवश्यक है।

- यान्त्रिक विधिः बड़े तालाबों में इन वनस्पतियों की सफाई के लिए मशीनों का भी प्रयोग किया जाता है।

- जीवों द्वारा वनस्पति का उन्मूलनः ग्रासकार्प मछली जो बहुत सी वनस्पति को खाती है। इसके उन्मूलन में सहायता देती है। 400–600 ग्राम भार वाली 300–400 ग्रास कार्प मछलियां एक हैक्टेयर तालाब की जलीय वनस्पति को बहुत ही आसानी से नियन्त्रण में रखती हैं।

- रासायनिक विधिः बाजार में बहुत से रसायन वनस्पतियों के नियन्त्रण के लिए उपलब्ध हैं।

वनस्पतियों के उन्मूलन के लिए रसायनों के प्रयोग दरः

रसायन	प्रयोग दर
सोडियम आरसेनाइट	5–6 पीपीएम (50–60 कि.ग्रा./ प्रति हैक्टेयर)
अमोनिया	225 कि.ग्रा./ प्रति हैक्टेयर
डायक्लोवेनील	15 कि.ग्रा./ प्रति हैक्टेयर
सिमाजीन	5 पीपीएम (50 कि.ग्रा./ प्रति हैक्टेयर)
पेशक्वेट	2 पीपीएम (20 कि.ग्रा./ प्रति हैक्टेयर)

इन सभी विधियों में वनस्पति के नियन्त्रण का सबसे उत्तम तरीका हाथ से उनकी सफाई और जीवों से उनका नियन्त्रण है।

जलीय कीड़ों का उन्मूलन

मत्स्य धन को हानि पहुंचाने वाले सभी कीड़ों को नष्ट करने के लिए अनेकों विधियां हैं, जो इस प्रकार से हैंः–

1. वनस्पति तेल एवं साबुन के पायस का प्रयोगः सरसों अथवा अन्य किसी वनस्पति तेल और सादा कपड़े धोने के साबुन को 56:18 के अनुपात में मिलाकर इनका पायस (इमलसन) तैयार किया जाता है, जिसे प्रति हैक्टेयर के हिसाब से तालाब संचय से 12–24 घण्टे पूर्व छिड़क दिया जाता है जिसके फलस्वरूप उल्टे/ पीछे तैरने वाले बग पायस डालने के आधे घण्टे में मरने लगते हैं।

2. तारपिन के तेल का प्रयोगः अन्य जलीय कीड़ों को मारने के लिए तालाब में 75 लीटर/ हैक्टेयर के हिसाब से तारपिन तेल छिड़कने पर नष्ट किया जा सकता है।

3. जाल का प्रयोगः कभी–कभी कीड़ों को छोटीजाली वाले जाल चलाकर एकत्र कर नष्ट कर दिया जाता है। इस विधि द्वारा पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं है।

4. डीजल का प्रयोगः एच.एस.डी. डीजल 56 लीटर, हायोआक्साईड 1011, 75 लीटर और पानी 50 लीटर का मिश्रण बनाया जाता है और तालाब में छिड़कने से सारे जलीय कीड़ों का सफाया हो जाता है।